अरे मत ना बेच कसायां के तन्नै दुध पिलाया करती

अरे मत ना बेच कसायां के,
तन्नै दुध पिलाया करती,
और तुं माँ कह क बोलया करता,
मैं नाड़ हिलाया करती।bd।

माँ कह हथ्थे में कटवाव:,
डुब गया तन्नै दया ना आव:,
बुढ़ी होगी दाम उठाव:,
तेरा काम चलाया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।bd।

एक छोटा सा बछड़ा जाया,
जिसने तेर: खुब कमाया,
उस दिन तुं फुलया नहीं समाया,
तेर: जिनस आया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।bd।

काढ जेवड़ा तुं लाठी मार:,
जब छीक मैं क आऊँ दवार:,
बाल्टी में धार मार:,
पां ना ठाया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।bd।

क दिन घरां बैठ क खाव:,
किसकी खातर पाप कमाव:,
अशोक भक्त तन्नै कुछ ना थयाव:,
न्युं समझाया करती,
अरे मतना बेच कसायां क,
मैं नाड़ हिलाया करती।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अरे मत ना बेच कसायां के,
तन्नै दुध पिलाया करती,
और तुं माँ कह क बोलया करता,
मैं नाड़ हिलाया करती।bd।

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com